पिछड़े मुसलमानों को मिलेगा वाजिब हक

गन्ना संस्थान में आयोजित सम्मेलन में उपस्थित विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद व अन्य

सीनियर रिपोर्टर

लखनऊ। केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने पिछड़े मुसलमानों को आरक्षण देने की वकालत करते हुए कहा कि पिछड़े मुसलमानों का भी उतना ही हक है जितना अन्य पिछड़े वर्गों का। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में गत तीन वर्षों से आरक्षण मिल रहा है लेकिन जब उत्तर प्रदेश में ये कोशिश की गई तो कुछ लोगों ने जिनके सियासी हित जुड़े थे ने रोड़े अटकाए। प्रदेश के 19 फीसद आबादी में से 11 फीसद पिछड़े मुस्लिम हैं इसलिए 4.5 फीसद उनका हक बनता है। आज यहां गन्ना संस्थान में आयोजित 12 वीं पंचवर्षीय योजना में अल्पसंख्यक के विषेय पर आयोजित सम्मेलन में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद कहा कि सभी मुसलमानों को आरक्षण देने की बार बार मांग की जाती है, लेकिन अभी तक किसी अदालत ने मुसलमानों को पिछड़ा नहीं माना है। सिर्फ सच्चर कमेटी और रंगानाथ मिश्रा कमीशन ने मुसलमानों को पिछड़ा बताया है। आंध्रा प्रदेश में भी मुसलमानों को जो आरक्षण मिल रहा है व उनकी 95 फीसद पिछड़ेपन की वजह से है। सभी मुसलमानों को उसी समय आरक्षण मिल सकता है जब संविधान से संशोधन हो। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की आर्थिक विकास दर पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारी विकास दर 8 फीसद थी और हमें आशा थी कि 10 फीसद का निशाना पुरा कर लेंगे लेकिन विश्व स्तर पर जो मंदी आई उसने हमारी विकास दर को प्रभावित किया और हमारी विकास दर 5.5 पर पहुंच गई, इसके बावजूद अगले दोसाल में 7 फीसद की दर हासिल करने की उम्मीद है जबकि 8 फीसद दर का निशाना हासिल करना हमारे लिए अनिवार्य है अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमारी योजना अधूरी रह जाएगी और हम पीछे चले जाऐंगे। उन्होंने कहा कि हम ने विभिन्न मदों से रकम काटी है लेकिन अल्पसंख्यक बजट में कम नहीं किया है यदि इसका सही इस्तेमाल हुआ तो उसमें वृद्धि संभव है। मुसलमानों को संबोधित करते हुए कहा कि आप ने इस देश पर साशन किया है इसलिए आप नेतृत्व कर सकते हैं आप इस बात को दिमाग से निकाल दें कि आप खुटे से बंधे हैं बल्कि आपको खूंटा गाड़ना है। इस मौके पर मानव संसाधन विकास मंत्री एम पल्लम राजू ने शिक्षा का अधिकार कानून आरटीई को एक अहम उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसकी वजह से 96 फीसद बच्चे स्कूल जा रहे हैं जबकि 100 फीसद की कोशिश हो रही है और ये सेकेंडरी, हायर सेकेंडी और हायर एजुकेशन सभी स्तर पर हो रही है। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे इंटीगरल युनिर्वसिटी के चांसलर मौलाना सईदुर रहमान आजमी नदवी ने कहा कि हमारे अन्दर लेने के बजाये देने की भावना पैदा होनी चाहिए।

http://www.shritimes.com/